

rupee has gone down because of the accumulation of black money in foreign countries due to the overinvoicing of import and underinvoicing of export by the monopoly control of the Indian export and import trade ?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN : The value of the rupee has not gone down, that is the point.

SHRI BIREN DUTTA : May I know whether the value of the rupee is going down due to its close link with the dollar whose value is going down ?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN : As I said, I do not accept the hon. Member's point that the value of the rupee has gone down.

Effect on Tourism by proposed withdrawal of concessions by the Railways

*280. **SHRI R. S. PANDIY :** Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Railways are proposing to withdraw the concession now available to foreign tourists visiting tourist places in the country by rail and if so, the reasons therefor ;

(b) whether the Tourism Department has been consulted on this proposal and if so, what are its views ; and

(c) how the proposed withdrawal of concessions by the Railways would affect tourism in the country ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SARAJINI MAHISHI): (a) Yes, Sir. The following concessions admissible to foreign tourists are to be withdrawn by the Railways with effect from the date shown against each as they have not proved to be a material factor in tourism promotion :

(i) 15% concession in the fare for Air-conditioned class. The withdrawal will take effect from 1.10.1971.

(ii) "Travel As You Like" tickets available on a lumpsum payment of Rs. 806/- for a month's journey in Air-conditioned or 1st Class. The withdrawal will take effect from 1.9.1971.

(b) Yes, Sir. The Department of Tourism accepted the reason put forward by the Railway Board.

(c) The withdrawal is not expected to have any adverse effect on tourism.

श्री राम सहाय पांडे : चूँकि विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक बड़ा भारी माध्यम पर्यटन है, इसलिए यह आवश्यक है कि विदेशी टूरिस्ट्स का हम देश में स्वागत हो और उनको अधिक से अधिक सुविधायें दी जायें। मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह निर्णय लेने का क्या कारण था और यह निर्णय लेने के बारे में, विदेशी पर्यटकों का प्राप्ति सुविधाओं का वापस लेने के बारे में, रेलवेज ने पर्यटन विभाग से परामर्श किया या नहीं, अगर नहीं, तो क्यों नहीं ?

डा० सरोजिनी महिषी : हम में अरुण पूछा गया और हम ने भा यही मनाह था, क्योंकि उन सुविधाओं में कोई लाभ नहीं होता है। 1970-71 में 398 लोगों ने 15 प्रतिशत छूट का फायदा उठाया और कवल 75 लोगों ने "ट्रैवल एज यू लाइक" टिकट का फायदा उठाया। इसका कारण यह है कि विदेशी पर्यटक हवाई जहाज से ही ट्रैवल करना पसन्द करते हैं, वे रेल में ट्रैवल करना पसन्द नहीं करते हैं।

श्री राम सहाय पांडे : विदेशी यात्री जब यहाँ पर्यटन के लिए आते हैं तो उनको इस बात का ज्ञान नहीं है कि कौन कौन सी सुविधाएँ किन किन विभागों ने दे रखी हैं। तो जितनी टूरिस्ट एजेंसीज हैं क्या आप ने उनको अप्रोच करके इस बात का प्रोपेगेंडा करने की कोशिश की है कि यह सुविधाएँ हम देते हैं रेलवे में और इसके अतिरिक्त और चीजों में ? यह कोशिश आप ने की तो उस का परिणाम क्या हुआ और नहीं की तो क्यों नहीं की ?

डा० सरोजिनी महिषी : सुविधाओं का प्रचार और प्रसार काफी हुआ है। देश में श्री

होता है और बाहर विदेशों में भी होता है। इसलिए सुविधाओं का ज्ञान उन्हें नहीं था यह बात तो ठीक नहीं है।

श्री नवल किशोर सिंह : यह जो रेनवे ने इन से राय मांगी और इन्होंने राय दे दी इसके पूर्व इन्होंने टूरिस्ट एजेंसों जैसे संगठनों से पूछ लिया था या नहीं कि रेनवे को क्या राय दी जाय ?

डा० सरोजिनो महिषी : यह सारा बातें पूछ ली गई थी और टूरिज्म डेवलपमेंट कौन्सिल में भी इस की सारी चर्चा हो गई थी। बाद में इस में चूक फयदा नहीं हो रहा है इसे देखने के बाद ही रेनवे मन्त्रालय ने जब पूछा तब इसमें सहमति दी गई।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, बड़ी सख्या में विदेशों में हिप्पी लोंग भारत में आ रहे हैं। क्या पर्यटन मन्त्रालय ने इस बात पर भी विचार किया है कि उन्हें कुछ और सुविधाएं दी जाय जिसमें उनकी सख्या बढ़े या सरकार ने यह मनाह दी है कि उनकी संख्या कम करनी चाहिए।

डा० सरोजिनो महिषी : सुविधाओं की सख्या काफी बढ़ रही है। लेकिन नाम मात्र सुविधाएं देने से अगर फायदा विदेशी मुद्रा में हमें नहीं बढना है और पर्यटकों को भी नहीं पहुंचता है तो वैसी सुविधाओं को काट दिया गया है। नहीं तो सुविधाओं को बढ़ाने के बारे में कोशिश की गई है। होटलों में एकमोडेशन की बात है या देश के अन्दर सरकार की बात है, एयर पोर्ट के सुधार की बात है, इन सब बातों में काफी सुविधाएं दी गई हैं और काफी प्रचार किया गया है।

Aid Agreement with Japan

*283. SHRI R. KADANAPALLI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether any agreement was signed

between India and Japan for the Yen Credit to India for the purchase of non-project commodities and chemicals ; and

(b) if so, the main features thereof ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN) : (a) Yes, Sir.

(b) A Loan Agreement for Rs. 19 04 crores (\$25 39 million) was signed with the Export Import Bank of Japan and certain other Japanese banks on the 20th April, 1971 for financing imports from Japan of commodities, raw materials, intermediates, components, spare parts, steel rolls, etc., as also machinery for the National Small Industries Corporation.

The loan is repayable in 20 years, including a grace period of 7 years and carries interest at 5% per annum.

Ceiling on Urban Income

*284. SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Government propose to impose ceiling on urban income in line with the legislation regarding ceilings on agricultural lands ; and

(b) what is the level of highest urban income and what is the percentage of population in that category ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN) : (a) While no formal ceiling is proposed, the combined incidence of changes introduced in the rates of personal income tax and wealth tax in the 1970-71 budget, together with the proposals for further modification of these rates in the budget for 1971-72, puts a virtual ceiling on urban incomes.

(b) Precise information is not available, but according to the latest available data on income tax statistics, which relates to 1966-67, there were only 207 individual assesseees in the annual income bracket of Rs. 5 lakhs and above in the financial year 1966-67 and their annual average pre-tax income worked out to Rs. 9.9 lakhs.